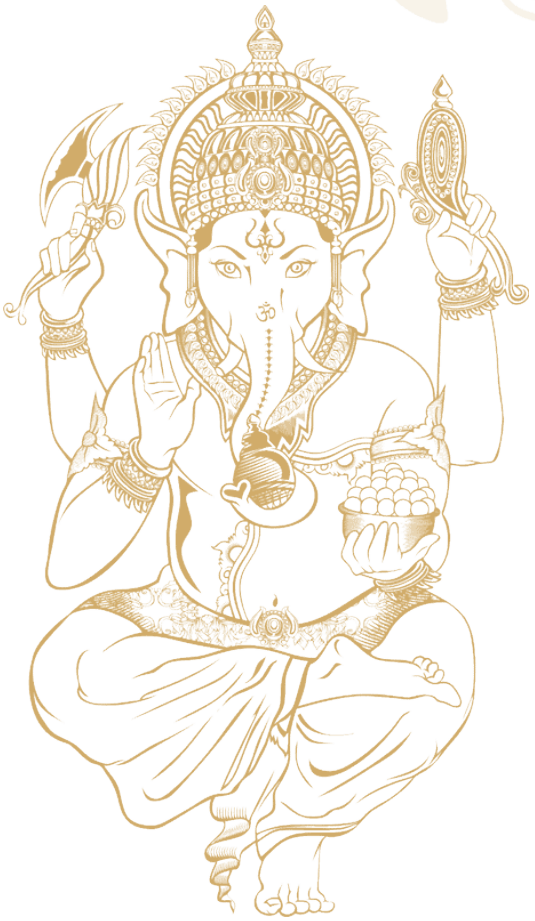

17 Dec 1987

01:48 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121315304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/12/1987**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:48:00 घंटे**
इष्ट	16:41:38 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:26:52 घंटे
वेलान्तर	00:04:11 घंटे
साम्पातिक काल	19:08:36 घंटे
सूर्योदय	07:07:20 घंटे
सूर्यास्त	17:26:39 घंटे
दिनमान	10:19:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:09:23 धनु
लग्न के अंश	00:24:20 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	00:24:20	490:42:27	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	---
सूर्य			धनु	01:09:23	01:01:05	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	16:03:15	13:26:48	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	21:32:39	00:39:35	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	27:48:51	01:34:10	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु			मीन	26:04:51	00:00:23	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			मक	00:13:01	01:14:18	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि		अ	धनु	00:03:14	00:07:06	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
राहु	व		मीन	04:35:31	00:06:26	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	04:35:31	00:06:26	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	03:05:22	00:03:38	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
नेप			धनु	13:32:41	00:02:14	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	17:53:16	00:01:55	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	22:07:03	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:20

लग्न-चलित

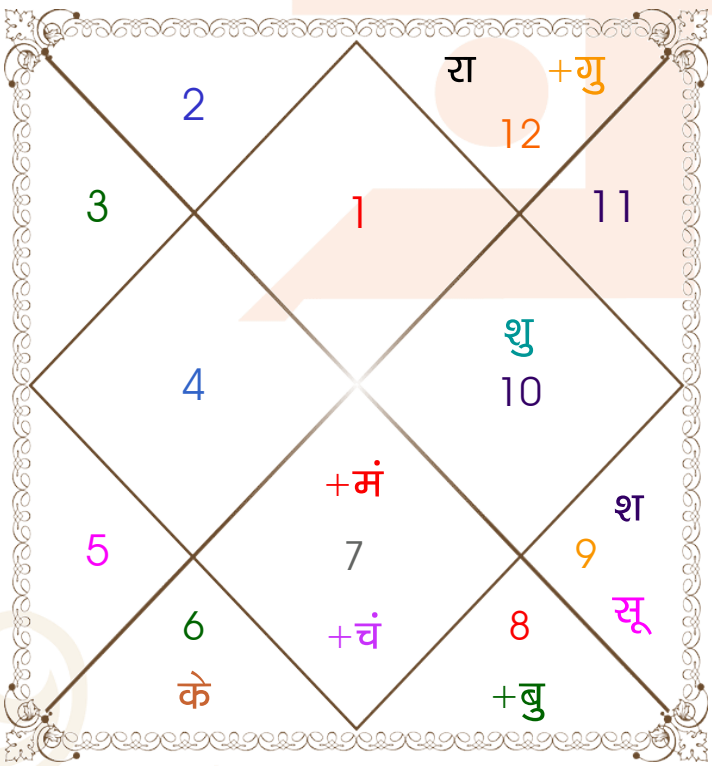

चन्द्र कुंडली

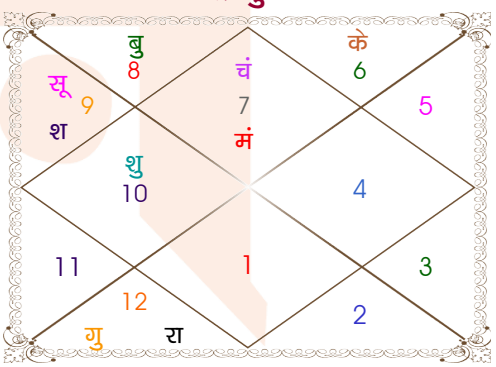

नवमांश कुंडली

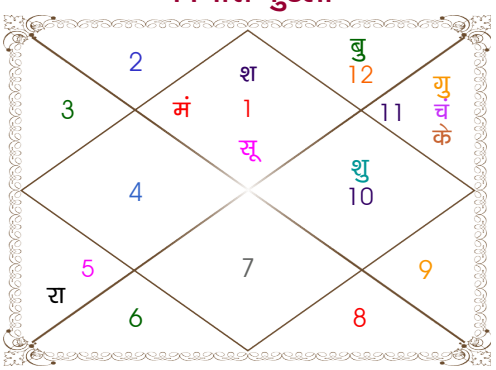

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 3 मास 28 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/12/1987		15/04/1993		15/04/2009		14/04/2028		15/04/2045	
15/04/1993		15/04/2009		14/04/2028		15/04/2045		14/04/2052	
	00/00/0000	गुरु	03/06/1995	शनि	17/04/2012	बुध	11/09/2030	केतु	11/09/2045
	00/00/0000	शनि	14/12/1997	बुध	27/12/2014	केतु	08/09/2031	शुक्र	11/11/2046
	00/00/0000	बुध	21/03/2000	केतु	04/02/2016	शुक्र	09/07/2034	सूर्य	19/03/2047
	00/00/0000	केतु	25/02/2001	शुक्र	06/04/2019	सूर्य	16/05/2035	चंद्र	18/10/2047
	17/12/1987	शुक्र	27/10/2003	सूर्य	18/03/2020	चंद्र	14/10/2036	मंगल	15/03/2048
शुक्र	02/11/1989	सूर्य	14/08/2004	चंद्र	17/10/2021	मंगल	11/10/2037	राहु	02/04/2049
सूर्य	26/09/1990	चंद्र	14/12/2005	मंगल	26/11/2022	राहु	30/04/2040	गुरु	09/03/2050
चंद्र	27/03/1992	मंगल	20/11/2006	राहु	02/10/2025	गुरु	06/08/2042	शनि	18/04/2051
मंगल	15/04/1993	राहु	15/04/2009	गुरु	14/04/2028	शनि	15/04/2045	बुध	14/04/2052

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/04/2052		14/04/2072		15/04/2078		14/04/2088		15/04/2095	
14/04/2072		15/04/2078		14/04/2088		15/04/2095		00/00/0000	
शुक्र	15/08/2055	सूर्य	02/08/2072	चंद्र	13/02/2079	मंगल	11/09/2088	राहु	26/12/2097
सूर्य	14/08/2056	चंद्र	01/02/2073	मंगल	14/09/2079	राहु	29/09/2089	गुरु	22/05/2100
चंद्र	15/04/2058	मंगल	08/06/2073	राहु	15/03/2081	गुरु	05/09/2090	शनि	29/03/2103
मंगल	15/06/2059	राहु	03/05/2074	गुरु	15/07/2082	शनि	15/10/2091	बुध	15/10/2105
राहु	15/06/2062	गुरु	19/02/2075	शनि	14/02/2084	बुध	11/10/2092	केतु	03/11/2106
गुरु	13/02/2065	शनि	01/02/2076	बुध	15/07/2085	केतु	09/03/2093	शुक्र	18/12/2107
शनि	14/04/2068	बुध	08/12/2076	केतु	13/02/2086	शुक्र	09/05/2094		00/00/0000
बुध	13/02/2071	केतु	15/04/2077	शुक्र	15/10/2087	सूर्य	14/09/2094		00/00/0000
केतु	14/04/2072	शुक्र	15/04/2078	सूर्य	14/04/2088	चंद्र	15/04/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाली, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाली, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाली अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाली हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाली, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाली, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाली तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाली स्त्री हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाली शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाली हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाली हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहती हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाती हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि की प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहती हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेती हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझती हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझती हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेती हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करती हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करती हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करती हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करती हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करती तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहती हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहती हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करती हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करती हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहती। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाली कामुक स्त्री हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहती हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगी।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना की शिकार होंगी। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहीं तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगी। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुकी हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखती हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करती हैं।

आपके लिए विधि कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकती हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com